



साइटिक

PSPDFKit for Web Evaluation

सैनिक न्यूज़ इनप्रीविएशन

Web:www.sinews.in/E-mail: info@sinews.in

सिर्फ सच के साथ...

वर्ष : 03 अंक: 04

गोरखपुर रविवार 20 जुलाई 2025

मूल्य- 02 रुपया

पृष्ठ - 8

सीएम योगी ने समाज में विभेद पैदा करने वालों पर जमकर साधा निशाना

सोशल मीडिया पर फेक अकाउंट बनाकर जातीय संघर्ष फैलाने का हो रहा प्रयास: योगी



संवाददाता

वाराणसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने दो दिवसीय वाराणसी दौरे के दौरान शुक्रवार को वसंत महिला महाविद्यालय में जनजातीय गौरव विरसा मुंडा पर आधारित राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने जनजातीय समाज को भारत का मूल समाज बताते हुए इसके ऐतिहासिक योगदान पर चर्चा की। साथ ही उन्होंने समाज में विभेद

पैदा करने वालों पर भी कड़ा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि कुछ लोग सोशल मीडिया पर फर्जी अकाउंट बनाकर जातियों में विभेद और संघर्ष को बढ़ावा दे रहे हैं, जिसे रोकने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में जनजातीय समाज को भारत की सनातन परंपरा का आधार बताते हुए कहा कि यह समाज हर कालखण्ड में देश की रक्षा और संस्कृति के संरक्षण के लिए अग्रिम पंक्ति में खड़ा रहा है। उन्होंने

राहुल गांधी का बयान

आरएसएस और माकपा लोगों के बारे में नहीं सोचते, यही मेरी सबसे बड़ी शिकायत

एजेंसी

नई दिल्ली। एसओपी नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ



और माकपा लोगों के बारे में नहीं सोचते हैं। उन्होंने कहा कि अगर कोई जनता के बारे में नहीं सोचता और उनसे नहीं जुड़ पाता तो वह नेता नहीं बन सकता। शुक्रवार को राहुल गांधी केरल के कोट्यायम में राज्य के पूर्व सीएम ओमान चांडी की दूसरी पुण्यतिथि के कार्यक्रम में शामिल हुए। राहुल गांधी ने कहा कि 'मेरी संघ और माकपा से

वैचारिक लड़ाई है, लेकिन मेरी सबसे बड़ी शिकायत ये है कि ये लोगों के बारे में नहीं सोचते। उनके मन में जनता के लिए कोई

भावना नहीं है।' राहुल गांधी ने कहा कि 'मेरी यही सबसे बड़ी शिकायत है कि अगर आप राजनीति में हैं तो लोग क्या सोचते हैं, उसे महसूस करें। उनकी बात सुनें और उन तक पहुंचने की कोशिश करें। लेकिन भारतीय राजनीति की त्रासदी है कि आज बहुत कम लोग हैं, जो असल में दूसरों की भावनाओं का ख्याल रखते हैं।' हरियाणा के शिकोहपुर में एक जमीन संदेश में कथित अनियमिताओं से जुड़े धन शोधन के एक मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ आरोप-पत्र दायर किया है। इसे लेकर ही राहुल गांधी ने सरकार पर निशाना साधा है।

→ सीएम सिद्धारमैया का बड़ा बयान...

बंगलूरु भगदड़ जांच रिपोर्ट पर अगली बैठक में होगी चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने बंगलूरु में जून में हुई भगदड़ की घटना पर बनी एक सदस्यीय जांच आयोग की रिपोर्ट पर अगली कैबिनेट बैठक में चर्चा की बात कही है। इस घटना में 11 लोगों की जान गई थी और कई घायल हुए थे। सरकार ने इस मामले की गंभीरता को देखते हुए हाई कोर्ट के रिटायर्ड जज जॉन माइकल कुन्हा की अध्यक्षता में जांच समिति बनाई थी। समिति ने अपनी रिपोर्ट 11 जुलाई को सरकार को सौंप दी थी। मुख्यमंत्री ने बताया कि जांच रिपोर्ट का सारांश सभी मंत्रियों को पढ़ने के लिए दे दिया गया है। अगली

कैबिनेट बैठक में इस पर विस्तार से चर्चा होगी। सिद्धारमैया ने मीडिया को बताया कि रिपोर्ट कैबिनेट के सामने पेश की गई है, लेकिन इस पर अब तक कोई चर्चा नहीं हुई है। रिपोर्ट में क्या कहा गया है, यह मैं बाद में बताऊंगा।

भगदड़ में गई थी 11 जाने

यह घटना 4 जून को बंगलूरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर हुई थी। इस दिन आईपीएल टीम आरसीबी की जीत का जश्न था, जिसमें भारी भीड़ उमड़ पड़ी। अव्यवस्था के चलते भगदड़ मच गई, जिसमें 11 लोगों की मौत हो गई और कई घायल हुए।



एजेंसी

नई दिल्ली। महाराष्ट्र विधानभवन में भाजपा और एनसीपी (शरद पवार गुट) के नेताओं के समर्थकों के बीच हुई झड़प के बाद राज्य की राजनीति में उबाल आ गया है। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने इसे 'गैंगवार' बताया है और दावा किया कि भाजपा में आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोगों को जगह दी जा रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से इस्तीफा देने और राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू करने की मांग की है। संजय राउत ने कहा कि जो कुछ भी महाराष्ट्र विधानभवन में हुआ, वह किसी लोकतांत्रिक राज्य की नहीं बल्कि एक 'गैंगवार' की तस्वीर थी। उन्होंने आरोप लगाया कि जिस तरह से हत्या, डॉक्टरी और मकोका जैसे गंभीर अपराधों में शामिल लोग वहां मौजूद थे, वह राज्य की छवि को धूमिल करता है। राउत ने सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियोज का हवाला देते हुए कहा कि यह दृश्य चौंकाने वाले और शर्मनाक हैं।

'गंभीर बीमार कैदियों की रिहाई के लिए समान नियम बनाएं सभी राज्य', सुप्रीम कोर्ट का निर्देश

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार



कोहा कि जेल नियम हर राज्य के लिए अलग-अलग होते हैं, लेकिन गंभीर रूप से बीमार कैदियों की रिहाई को लेकर सभी राज्यों को समान नियम बनाने चाहिए। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बैंच ने राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) की उस याचिका पर अपना आदेश सुरक्षित रखा, जिसमें गंभीर रूप से बीमार या 70 वर्ष से अधिक उम्र के कैदियों की रिहाई की मांग की

गई थी। केंद्र सरकार ने बताया कि इस विषय पर एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) बनाई गई है और इसे रिकॉर्ड पर रखा गया है। हालांकि, बैंच ने कहा, आखिरकार जेल नियम राज्यों पर ही लागू होते हैं। सभी राज्यों को एक समान जेल नियम बनाने होंगे, जिसमें गंभीर बीमारियों से पीड़ित कैदियों की रिहाई का प्रावधान हो। केंद्र की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) ऐश्वर्या भाटी ने कहा कि सरकार गंभीर रूप से बीमार की श्रेणी में आएंगे और जेल के मेडिकल अधिकारी से इसका प्रमाण पत्र लिया जाएगा। इस पर बैंच ने टिप्पणी की, पहचान करना अलग बात है, लेकिन सत्यापित करने में ही असली मुश्किल है। इस व्यवस्था के दुरुपयोग की काफी संभावना है। भाटी ने बताया कि केंद्र की एसओपी में एक मेडिकल बोर्ड गठित करने की बात कही गई है जो ऐसे मामलों की जांच करेगा। उन्होंने यह भी बताया कि एक कैदी 1985 से अस्थमा से पीड़ित है।

संपूर्ण PDFKit for Web Evaluation

इतिहास से छेड़छाड़ में देश का नुकसान

एनसीईआरटी की आठवीं कक्षा की सामाजिक विज्ञान की नई किताब में दिल्ली सल्तनत और मुगल शासन काल की नयी तस्वीर पेश की गई है। इसके जरिए विद्यार्थियों को समझाया जा रहा है कि यह इतिहास का अंधेरा दौर था। किताब में बाकायदा एक अस्वीकरण यानी डिस्कलेमर दिया गया है, जिसमें लिखा है कि इतिहास के अधेरे दौर के लिए आज किसी को जिम्मेदार नहीं ठहराना चाहिए। यह अस्वीकरण काफी अहमकाना लगता है, क्योंकि इतिहास और वह भी सदियों पुराने इतिहास के लिए तो यूं भी किसी को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। जो कुछ अतीत में घटा है, उसका तार्किक विश्लेषण करना, और गलतियों को न दोहराने का सबक लेना, इस मकसद के साथ इतिहास का पाठ किया जाना चाहिए। यह तभी हो सकता है जब इतिहास को संतुलित और संवेदनशील तरीके से पढ़ाया जाए। इतिहास इस अर्थ में जटिल होता है कि वहाँ अच्छे और बुरे, सही और गलत का सीधा विभाजन नहीं होता, इनके बीच कई ऐसे मुकाम होते हैं, जहाँ हालात घटनाओं की व्याख्या करते हैं। कभी कोई राजा अपना राज्य बचाने के लिए क्रूरता का सहारा लेता है और कभी किसी राजा की अकर्मण्यहीनता में प्रजा पिसती है। हिंसा, रक्तपात, कत्लेआम, इंसानों की सामान की तरह तिजारत ऐसी कई अमानवीय घटनाएं भारत समेत पूरे विश्व इतिहास में दर्ज हैं। खासकर मध्ययुग का इतिहास तो इन्हीं से अटा पड़ा है, क्योंकि तब तक इंसान ने सभ्यता और विकास के मायने से समझ लिए थे। आग और पहिए के अविक्षकर के बाद अन्य पशुओं से आगे इंसान निकल गया तो उसके जीवन में व्यापार, धर्म और सियासत के लिए जगह बनने लगी। उस दौर में न कोई संविधान था, न आज की तरह का लोकतंत्र था, इसलिए नैतिकता के मापदंड भी अलग थे। तब की घटनाओं की व्याख्या आज के परिवेक्ष्य में नहीं की जा सकती। मगर मोदी सरकार इस काम को भी मुमकिन बनाने में लगी है। दरअसल 2014 के बाद इतिहास के पुनर्लेखन पर ऐलानिया काम शुरू हो चुका है। इससे पहले जब भाजपा विपक्ष में थी, या उससे पहले जब बाजपेयी सरकार थी, तब भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सीधे के मुताबिक ही भारतीय इतिहास का भगवाकरण करने की चाह भाजपा की रही, लेकिन उसे अमल में लाने का दुरस्साहस कभी नहीं हुआ। अब चूंकि मोदी सरकार का तीसरा कार्यकाल चल रहा है, तो भाजपा की यह गुमान है कि उसकी सत्ता भारत में स्थायी हो चुकी है, इसलिए अब इतिहास को बदलने पर काम शुरू हो गया है। एनसीईआरटी की किताबों को इसका जरिया बनाया गया है। क्योंकि इसके जरिए नयी पीढ़ी के दिमाग में जहर बोने का काम आसानी से होगा। कोई आरोप लगाए तो उसे किताब का डिस्कलेमर दिखाया जाएगा। 2025-26 सत्र के लिए प्रकाशित की गयी कक्षा 8 की नई किताब एक्सप्लोरिंग सोसाइटी इंडिया एंड बियॉड (भाग 1) में बाबर, अकबर, औरंगजेब सभी को बेहद क्रूर, निर्दयी शासकों की तरह पेश किया गया है, जिन्होंने हिंदुओं के मंदिर तोड़े, उन पर जिया कर लगाया और औरतों-बच्चों को बेरहमी से मारा। इसलिए इस पूरे काल के लिए अंधेरे शब्द का इस्तेमाल किया गया है।

यात्रियां

मेष:- आज का दिन शुभ और फलदायी होगा। महत्वपूर्ण निर्णय न लेने की सलाह है। यात्रा के योग हैं। लेखनकार्य के लिए अच्छा दिन है।

वृषभ:- मन को स्थिर रखने की सलाह गणेशजी देते हैं, क्योंकि अर्निण्य की मनोदशा से अवसर गवां सकते हैं। प्रवास का आयोजन टाल दें।

मिथुन:- लक्ष्मीजी की कृपा से दिन लाभदायी होगा। उत्तम भोजन, सुंदर वस्त्र व अपनों के साथ से दिन आनंददायी होगा। धन अधिक व्यय न करें।

कर्क:- कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। संबंधियों से मनमुटाव हो सकता है। वाणी पर संयम रखें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। मानहानि एवं धनहानि से बचें।

सिंह:- आज का दिन लाभदायी है। मित्रों से लाभ और पर्यटन की संभावना है। हाथ आया अवसर जा सकता है, इसलिए निर्णय टाल दें।

कन्या:- आज दिन शुभ है। नए कार्य संपन्न होंगे। व्यापारी व नौकरीपेशा लोगों के लिए समय अच्छा है। व्यापार में लाभ व नौकरी में पदोन्नति के योग हैं।

तुला:- व्यावसाय में लाभ की संभावना है ऐसा गणेशजी कहते हैं। नौकरी व व्यापार में सहकर्मियों से

सहयोग नहीं मिलेगा। लंबी यात्रा का आयोजन हो सकता है। अस्वस्थ रहेंगे।

वृश्चिक:- आज शांति व सावधानीपूर्वक रूप से रहने की गणेशजी की सलाह है। नए कार्यों में असफलता के योग हैं। क्रोध पर संयम रखें। सरकार विरोधी प्रवृत्तियों से दूर रहें।

धनु:- आज का दिन आनंदपूर्वक बीतेगा। सहवास का आनंद मिलेगा। प्रवास, पर्यटन होगा। लेखनकार्य के दिन अनुकूल है। साझेदारी से लाभ होगा।

मकर:- व्यापार में विकास के लिए आज का दिन लाभकारी रहेगा। धन के लेनदेन में सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। घर में सुख-शांति का वातावरण बना रहेगा।

कुंभ:- आप की वाणी व विचारों में शीघ्र परिवर्तन होगा।

बौद्धिक चर्चा में शामिल होंगे। आकस्मिक खर्च की आशंका है। पाचन न होने जैसी बीमारियों से परेशान होंगे।

मीन:- गणेशजी कहते हैं कि आप में उत्साह व स्फूर्ति की कमी होगी। परिजनों के साथ विवाद न करें। अस्वस्थ महसूस करेंगे। नौकरी में चिंता रहेगी। धन व कीर्ति की हानि न हो ध्यान रखें।

द्विभाषी साप्ताहिक

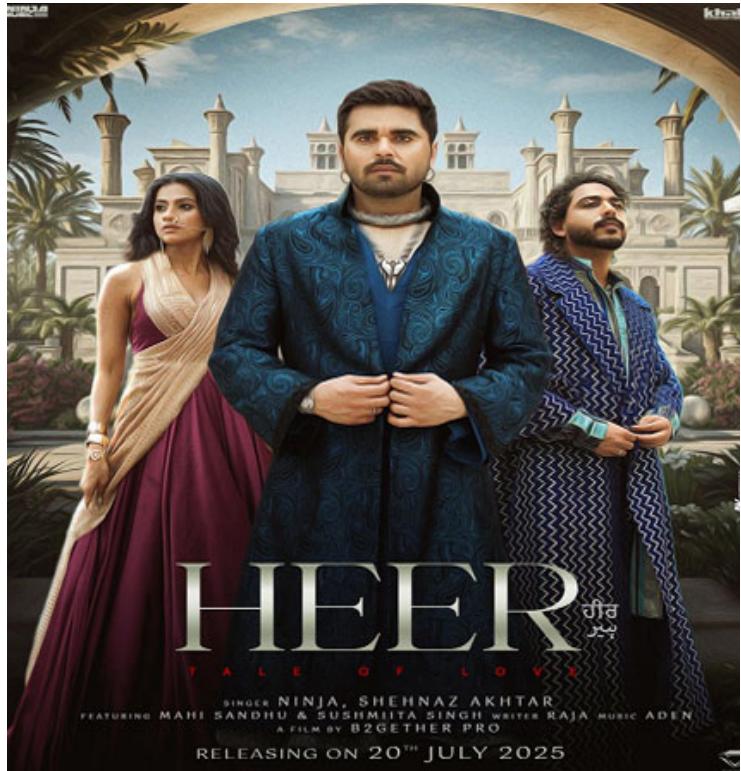
प्रो. संजय ठुवेदी

इतिहास के चक्र में किसी सांस्कृतिक संगठन के सौ साल की यात्रा साधारण नहीं होती। यह यात्रा बीज से बिरवा और अंततः उसके बटवृक्ष में बदल जाने जैसी है। ऐसे में उस संगठन के भविष्य की यात्रा पर विमर्श होना बहुत स्वाभाविक है। स्वतंत्रता के अमृतकाल में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संकल्प भविष्य के भारत की रचना में सहयोगी बन सकते हैं। अपने शताब्दी वर्ष में संघ ने पंच परिवर्तन का संकल्प लिया है। यह पंच परिवर्तन क्या है? इससे क्या होने वाला है? इसे भी जाना जरूरी है। संघ की मान्यता है कि व्यवस्था परिवर्तन का लक्ष्य तभी पूरा होगा, जब भारत की व्यवस्थाएं स्व पर आधारित हों। स्व आधारित तंत्र बनाना साधारण नहीं है। महात्मा गांधी से लेकर देश के तमाम विचारक और राजनेता स्व की बात करते रहे, किंतु व्यवस्था ने उनके विचारों को अप्रासंगिक बना दिया। समाज परिवर्तन के बिना व्यवस्था परिवर्तन संभव नहीं, इसे भी सब मानते हैं। वैचारिक संभ्रम इसका बहुत बड़ा कारण है। हम आत्मविस्मृति के शिकार और आत्मदैन्य से घरे हुए समाज है। गुलामी के लंबे कालखण्ड ने इस दैन्य को बहुत गहरा कर दिया है। इससे हम अपना मार्ग भटक गए। स्वामी विवेकानंद, महर्षि अस्विंद, स्वामी दयानंद सरस्वती, लोकमान्य तिलक, महात्मा गांधी, बाबा साहब अंबेडकर हमें वह रास्ता बताते हैं जिनपर चलकर हम अपनी कुरीतियों से मुक्त एक सक्षम, आत्मविस्मृत और स्वाभिमानी समाज बन सकते थे। किंतु अंग्रेजों के बाद सत्ता में आए नायकों ने सारा कुछ बिसरा दिया। उस आरंभिक समय में भी दीनदयाल उपाध्याय और डा. रामननोहर लोहिया जैसे नायक भारत की आत्मा में झांकने का प्रयास करते रहे किंतु सत्ता की राजनीति को वे विचार अनुकूल नहीं थे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपने शताब्दी वर्ष में पंच परिवर्तन का जो संकल्प लिया है, वह भारत की चिति और उसकी स्मृति को जागृत करने का काम करेगा। राष्ट्रीय चेतना का स्तर बढ़ाने के लिए 1. नागरिक कर्तव्य, 2. स्वदेशी, 3. पर्यावरण संरक्षण, 4. समरसता, 5. कुटुंब प्रबोधन जैसे पांच संकल्प ही पंच परिवर्तन के सूत्र हैं। इन विषयों में भारत की आत्मा को झकझोरकर जगाने और नया भारत बनाने का संकल्प ज़लकरता है। किसी भी राष्ट्र और लोकतंत्र की सफलता उसके नागरिकों की सहभागिता और कर्तव्यबोध से ही सार्थक होती है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपने शताब्दी वर्ष में पंच परिवर्तन का जो संकल्प लिया है, वह भारत की चिति और उसकी स्मृति को जागृत करने का काम करेगा। राष्ट्रीय चेतना का स्तर बढ़ाने के लिए 1. नागरिक कर्तव्य, 2. स्वदेशी, 3. पर्यावरण संरक्षण, 4. समरसता, 5. कुटुंब प्रबोधन जैसे पांच संकल्प ही पंच परिवर्तन के सूत्र हैं। इन विषयों में भारत की आत्मा को झकझोरकर जगाने और नया भारत बनाने का संकल्प ज़लकरता है। किसी भी राष्ट्र और लोकतंत्र की सफलता उसके नागरिकों की सहभागिता और कर्तव्यबोध से ही सार्थक होती है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपने शताब्दी वर्ष में पंच परिवर्तन का संकल्प लिया है, वह भारत की चिति और उसकी स्मृति को जागृत करने का काम करेगा। राष्ट्रीय चेतना का स्तर बढ़ाने के लिए 1. नागरिक कर्तव्य, 2. स्वदेशी, 3. पर्यावरण संरक्षण, 4. समरसता, 5. कुटुंब प्रबोधन जैसे पांच संकल्प ही पंच परिवर्तन के सूत्र हैं। इन विषयों में भारत की आत्मा को झकझोरकर जगाने और नया भारत बनाने का संकल्प ज़लकरता है। किसी भी राष्ट्र और लोकतंत्र की सफलता उसके नागरिकों की सहभागिता और कर्तव्यबोध से ही सार्थक होती है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपने शताब्दी वर्ष में पंच परिवर्तन का संकल्प लिया है, वह भारत की चिति और उसकी स्मृति को जागृत करने का काम करेगा। राष्ट्रीय चेतना का स्तर बढ़ाने के लिए 1. नागरिक कर्तव्य, 2. स्वदेशी, 3. पर्यावरण संरक्षण, 4. समरसता, 5. कुटुंब प्रबोधन जैसे पांच संकल्प ही पंच परिवर्तन के सूत्र हैं। इन विषयों में भारत की आत्मा को झकझोरकर जगाने और नया भारत बनाने क

PSPDFKit for Web Evaluation

नियमित हॉट पुस्तक लिटीज, 20 जुलाई को गाना होगा लिटीज

इस गाने में निंजा और शहनाज अख्तर ने अपनी आवाज दी है, संगीत अदन ने दिया है और बोल राजा ने लिखे हैं। गाने में खूबसूरत सुष्मिता सिंह और माही संधू भी हैं जो इस



प्रोजेक्ट में गहराई जोड़ते हैं। काफी इंतजार के बाद, गायक निंजा आखिरकार अपने नए रोमांटिक इंडी पॉप सिंगल हीर को रिलीज करने के लिए तैयार हैं, जो 20 जुलाई 2025 को रिलीज होगा। इस गाने में निंजा और शहनाज अख्तर ने अपनी आवाज दी है, संगीत अदन ने दिया है और बोल राजा ने लिखे हैं। गाने में खूबसूरत सुष्मिता सिंह और माही संधू भी हैं जो इस प्रोजेक्ट में गहराई जोड़ते हैं। इस प्रोजेक्ट को संदीप विक ने रचनात्मक रूप से अंजाम दिया है। हाल ही में रिलीज हुए पोस्टर ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है क्योंकि यह समुद्र, शाही और भावनाओं से भरपूर है। यह एक ऐसी प्रेम कहानी की झलक पेश करता है जो गहन और कालातीत लगती है। अपने सुकून भरे इंडी पॉप वाइब और प्यार, चाहत और ड्रामा की झलक दिखाने वाली कहानी के साथ, घीरण एक ऐसा गाना लगता है जो हमेशा याद रहेगा। निंजा के प्रशंसक जो किसी दिल को छू लेने वाली और अलग चीज का इंतजार कर रहे हैं, उनके लिए यह पोस्टर उम्मीद जगाता है और हर पल सार्थक होने वाला है।

नहीं आया था हार्ट अटैक...

○ पंचायत के दामाद जी आसिफ खान ने हॉस्पिटल से डिस्चार्ज होते ही कही ये बात

पंचायत के दामाद जी यानी आसिफ खान बीते दिनों हॉस्पिटल में भर्ती थी। कहा जा रहा था कि उन्हें हार्ट अटैक आया था। वहीं अब वह हॉस्पिटल से डिस्चार्ज हो गए हैं। डिस्चार्ज होते ही एक्टर ने बताया कि उन्हें हार्ट अटैक नहीं आया था। जी हाँ, एक वेब



पोर्टल से बातचीत में कहा, श्तो सबसे पहले, मैं स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि यह हार्ट अटैक नहीं था। यह गैस्ट्रोइंसोफेगल रिफ्लक्स डिजीज थी। इसके लक्षण हार्ट अटैक जैसे लग रहे थे लेकिन अब मैं पूरी तरह से फिट हूं। मालूम हो कि आसिफ खान रविवार 13 जुलाई को को पूरे दिन गाड़ी चलाकर राजस्थान स्थित अपने होमटाउन से मुंबई पहुंचे। शाम को उनके सीने में दर्द हुआ और वह बाथरूम में बेहोश हो गए। इसके बाद देर शाम उन्हें अस्पताल ले जाया गया। बता दें कि आसिफ के शपंचायतश में उनके किरदार और डायलॉग के लिए जाना जाता है जबकि वह हाल ही फिल्म द भूती में नजर आए थे।

सोशल मीडिया सेवाओं और शो ट्रेटर्स की लिस्ट उर्फी जावेद ने अपने बिंबों के लिए इन अनुभूति से आता है। अपने बाल्ड जंदाज और यूनिक फैशन सेंस के लिए पहचानी जाने वाली उर्फी इस बार अपने चेहरे की बिगड़ी हालत को लेकर चर्चा में है। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी एक ऐसी सेल्फी शेयर की है, जिसे देखकर उनके फैंस



हैरान रह गए। उर्फी जावेद ने अपनी लैटेरेस्ट इंस्टाग्राम स्टोरी में एक तस्वीर शेयर की, जिसमें वो कार में बैठी नजर आ रही हैं। सिर पर कैप, कानों में है डफोन और कैजुअल ट्रैकसूट पहने उर्फी का चेहरा इस बार पूरी तरह सूजा हुआ दिखाई दे रहा है। खासतौर पर उनकी आंखें लाल और काली दिख रही हैं, जैसे अंदर धंस गई हों। तस्वीर में उनका चेहरा पहचाना तक मुश्किल हो रहा है। उर्फी की इस तस्वीर पर जहां कई फैंस ने चिंता जाहिर की, वहीं कुछ लोगों ने अनुमान लगाना शुरू कर दिया कि शायद यह बोटॉक्स या फेशियल सर्जरी का असर है।



लेकिन उर्फी ने इन अफवाहों को खारिज करते हुए खुद बताया कि उनकी ये हालत एलर्जी की वजह से हुई है। उन्होंने कैप्शन में लिखा क्या इस दुनिया में कोई ऐसा डॉक्टर है जो मेरी एलर्जी का इलाज कर सके? हर सुबह जब मेरा चेहरा सूज जाता है, लोग कहते हैं ये फिलर या बोटॉक्स का असर है, लेकिन सच ये है कि ये एक पुरानी एलर्जी है। मेरी आंखें लाल और सूजी हुई हैं... फिर भी मैं जिम जा रही हूं। बता दें, यह पहली बार नहीं है जब उर्फी को इस तरह की एलर्जी हुई हो। इससे पहले भी उनके चेहरे पर सूजन और रैशेज की तस्वीरें सामने आ चुकी हैं। ऐसा माना जा रहा है कि उर्फी को इस एलर्जी का लंबे समय से सामना करना पड़ रहा है और अब शायद उन्हें किसी स्थायी उपचार की जरूरत है। बात करें प्रोफेशनल फ्रंट की तो हाल ही में उर्फी ने करण जौहर के रियलिटी शो द ट्रेटर्स का खिताब अपने नाम किया था। इस शो में उनकी चालाकी, रणनीति और मासूमियत का बेहतरीन संतुलन देखने को मिला था।



शादी टूटी और फिर पिता का देहांत...

○ अर्चना गौतम ने सुनाया लबूबू डॉल का डरवाना किस्सा, फैंस से की डॉल ना खरीदने की गुजारिश

लबूबू डॉल के चारों तरफ चर्चे हो रहे हैं। हॉलीवुड से लेकर बॉलीवुड सेलेब्स तक हर कोई इसे फ्लॉन्ट कर रहा है। हालांकि इस चर्चित डॉल को लेकर कुछ डरवाने किस्से भी सुनने को मिल रहे हैं। कुछ लोग इस डॉल को शापित बता रहे हैं।

बिग बॉस फेम एक्ट्रेस अर्चना गौतम ने भी इस डॉल से जुड़ा एक खौफनाक किस्सा सुनाया। इतना ही नहीं अर्चना ने अपने फैंस से डॉल ना खरीदने की मांग भी की है। अर्चना ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो अपलोड की है और इसमें इस किस्से को रिवील किया है। वीडियो में अर्चना ने कहा—मेरी एक रिश्तेदार की दोस्त ने यह डॉल खरीदी थी। खरीदते ही उसके घर में अजीबो-गरीब चीजें होने लगी थीं। मेरी रिश्तेदार की दोस्त की शादी टूट गई, कुछ दिन पहले ही उसकी शादी तय हुई थी। लबूबू डॉल के आने के अगले ही दिन उसके पापा का देहांत हो गया। बाद में उस लड़की ने लाबूबू डॉल अर्चना की रिश्तेदार को देनी चाहिए मगर उन्होंने लेने से इंकार कर दिया। अर्चना आगे कहती है—उस लड़की ने कहा है कि यह डॉल बिल्कुल भी अच्छी नहीं है। यह सब कुछ बिगाड़ देती है।

पैट फूलने का लिए PSPDFKit for Web का उपयोग कैसे हैं?

जानिए इसके कारण और बचाव के आसान उपाय

अक्सर कुछ लोग पेट फूलने की समस्या से परेशान रहते हैं, इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं। इन्हीं में दो मुख्य कारण हैं खाने का गलत तरीका और दिनचर्या की कुछ गलत आदतें। आइए इस लेख में इसी के बारे में जानते हैं, साथ ही इससे बचाव के उपाय भी जानेंगे।

आज की भागदौँड़ भरी जिंदगी में पेट फूलना या पेट में गैस बनना एक आम परेशानी है, जिससे लगभग हर दूसरा व्यक्ति कभी न कभी जरूर जूझता है। इस असहज स्थिति में पेट भरा हुआ या कसा हुआ महसूस होता है, और कभी-कभी हल्का दर्द भी हो सकता है। भले ही पेट फूलना आमतौर पर किसी बड़ी बीमारी का संकेत न हो, लेकिन यह हमारी दिनभर की गतिविधियों और मूड को बुरी तरह प्रभावित करता है। ध्यान देने वाली बात यह है कि ज्यादातर मामलों में इसकी जड़ें हमारी खाने-पीने की आदतों और रोजमरा की जीवनशैली में छिपी होती हैं। जिन लोगों को पेट फूलने या पेट में गैस बनने की शिकायत रहती है, वो थोड़ी समझदारी और कुछ आसान बदलावों से इस परेशानी से आसानी से छुटकारा पा सकते हैं। आइए इस लेख में पेट फूलने के मुख्य कारणों और इससे बचाव के सरल उपाय के बारे में जानते हैं।

खाने-पीने की गलत आदतें हैं

मुख्य कारण

पेट फूलने का एक बड़ा कारण हमारी खाने-पीने की आदतें हैं। जब हम बहुत तेजी से खाते हैं या खाना ठीक से चबाते नहीं, तो भोजन के साथ ज्यादा हवा निगल जाते हैं, जिससे पेट में गैस बन सकती है। इसके अलावा, कुछ खास तरह के खाद्य पदार्थ भी पेट फूलने का कारण बनते हैं। इनमें राजमा, छोले, दालें, पत्तागोभी और फूलगोभी जैसी गैस बनाने वाली सब्जियां शामिल हैं काबोर्नेटेड ड्रिंक्स (जैसे कोल्ड ड्रिंक), सोडा और आर्टिफिशियल स्वीटनर (कृत्रिम मिठास) भी पेट में गैस पैदा कर सकते हैं। कुछ लोगों को लैक्टोज इंटॉलरेंस (दूध पचाने में दिक्कत) या ग्लूटेन सेंसिटिविटी (गेहूं के प्रति संवेदनशीलता) के कारण भी पेट फूलने की समस्या होती है, क्योंकि उनका शरीर इन चीजों को ठीक से पचा नहीं पाता है।

जीवनशैली की कुछ गलत आदतें हैं मुख्य कारण

हमारे लाइफस्टाइल की भी कुछ आदतें पेट फूलने की समस्या का कारण हो सकती हैं। शारीरिक गतिविधि की कमी होने पर आंतं धीरे काम करती हैं, जिससे भोजन का पाचन धीमा हो जाता है और गैस बनने लगती है। इसके अलावा, तनाव और चिंता का सीधा असर हमारे पाचन तंत्र पर पड़ता है।

तनाव की वजह से पाचन प्रक्रिया बिंदू



सकती है और पेट में गैस की समस्या बढ़ सकती है। कम पानी पीना भी कब्ज का कारण बन सकता है, जो अक्सर पेट फूलने की समस्या को बढ़ाता है। च्युइंग गम चबाने या खाना खाते समय बात करने से भी हम ज्यादा हवा निगल लेते हैं, जो पेट में गैस बनाती है। अनियमित खाने-पान और देर रात खाना खाने की आदत भी इस समस्या को बढ़ा सकती है।

बचाव के लिए अपनाएं ये आसान आहार संबंधी उपाय

पेट फूलने से बचने के लिए आप कुछ आसान आहार संबंधी बदलाव कर सकते हैं-

अपने भोजन को अच्छी तरह

चबाकर खाएं और खाने के लिए पर्याप्त समय निकालें। इससे कम हवा अंदर जाएगी और पाचन भी बेहतर होगा।

कुछ लोगों को विशेष खाद्य पदार्थों से ज्यादा गैस बनती है। उन खाद्य पदार्थों की पहचान करें और उनका सेवन सीमित करें।

कोल्ड ड्रिंक और कृत्रिम मिठास वाले उत्पादों से परहेज करें। अगर आप कम फाइबर खाते हैं, तो इसे धीरे-धीरे बढ़ाएं और साथ में पानी भी खूब पिएं, ताकि कब्ज न हो।

दिनभर में पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं ताकि शरीर हाइड्रेटेड रहे और पाचन सुचारू रहे।

जीवनशैली में बदलाव

खाने-पीने की आदतों में बदलाव के साथ-साथ अपनी जीवनशैली को सुधारना भी पेट फूलने की समस्या से आराम दिला सकता है। इसके लिए रोजाना कम

तनाव न लें, और तनाव से बचने के लिए योग और ध्यान को अपनी दिनचर्या में शामिल करें। एक साथ ज्यादा खाने के बजाय, थोड़ा-थोड़ा कई बार खाएं। अगर आपको पेट फूलने की शिकायत रहती है, तो च्युइंग गम चबाने से बचें। आप दही या प्रोबायोटिक सप्लीमेंट्स भी ले सकते हैं जो पाचन क्रिया को अच्छा रखने में मदद करते हैं। अगर पेट फूलना लगातार बना रहे, बहुत ज्यादा दर्द हो तो तुरं डॉक्टर को दिखाएं।

मानसून में संक्रामक रोगों से बचे रहना है तो जान लीजिए इसका उपाय, तनाव-शुगर भी रहेगा कंट्रोल



मानसून के मौसम में कई प्रकार के वायरस और बैक्टीरिया के बढ़ने का खतरा रहता है जो गंभीर संक्रामक रोगों का कारण बन सकते हैं। इनसे बचे रहने के लिए क्या उपाय किए जा सकते हैं?

मानसून के दिनों में सेहत को लेकर विशेष सावधानी बरतते रहने की आवश्यकता होती है। नमी वाले इस मौसम में कई प्रकार के वायरस और

बैक्टीरिया के बढ़ने का खतरा रहता है जो गंभीर संक्रामक रोगों का कारण बन सकते हैं। यही कारण है कि इस मौसम में तुलसी का काढ़ा पीना स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद माना जाता है। तुलसी आयुर्वेदिक जड़ी-बूटी है, जिसे भारतीय पारंपरिक चिकित्सा में विशेष स्थान प्राप्त है। आपको फूल जैसे संक्रामक रोगों से बचाने से लेकर इम्युनिटी बढ़ाने तक के लिए इसे फायदेमंद पाया गया है।

कैसे बनाएं काढ़ा?

तुलसी का काढ़ा बनाना काफी आसान है। इसके लिए एक पैन में 2 कप पानी उबलें। इसमें तुलसी के पत्ते, अदरक, काली मिर्च, और लैंग डालें। इसे 10-15 मिनट तक धीमी आंच पर उबलने दें, जब तक कि पानी आधा न हो जाए। अब इसे छानकर कप में निकालें और स्वादानुसार शहद मिलाकर सेवन कर सकते हैं।

तुलसी का काढ़ा मानसून में रोजाना पीने से आप स्वस्थ और संक्रमण मुक्त रह सकते हैं। हालांकि, यदि आपको किसी विशेष प्रकार की स्वास्थ्य समस्या है या आप गर्भवती हैं, तो इसके सेवन करने से पहले किसी चिकित्सक से परामर्श करें।

शुगर और हार्ट के रोगियों के लिए लाभकारी

शुगर-कोलेस्ट्रॉल दोनों ही समस्याएं तेजी से बढ़ती जा रही हैं। बढ़े हुए ब्लड शुगर का स्तर आंखों, तंत्रिकाओं से लेकर हृदय की समस्याओं को बढ़ाने वाला माना जाता है, वही हाई कोलेस्ट्रॉल के कारण हृदय रोग-हार्ट अटैक का जोखिम भी बढ़ जाता है, इसे कंट्रोल में

रखना जरूरी है। तुलसी की पत्तियों का सेवन या इससे तैयार काढ़ा पीना इन दोनों स्वास्थ्य समस्याओं के खतरे को कम करने में मददगार है।

दूर रहती है चिंता-तनाव

स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बताया दैनिक आहार में तुलसी को शामिल करके इससे लाभ प्राप्त किया जा सकता है। तुलसी की चाय, इसकी पत्तियों या अर्क का सेवन करके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य लाभ मिल सकता है। तुलसी का काढ़ा एक प्राकृतिक एडेप्टोजेन माना जाता है, जो शरीर को तनाव और चिंता से निपटने में मदद करती है। यह मानसिक शांति और संतुलन को बढ़ाने के लिए भी सहायक है। रेस की समस्या से परेशान लोगों को भी काढ़ा पीने से लाभ मिल सकता है।

इम्यून सिस्टम होता है मजबूत

तुलसी में एंटीऑक्सीडेंट और एंटीमाइक्रोबियल गुण होते हैं, जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाकर संक्रमणों से लड़ने में मदद करते हैं। तुलसी का काढ़ा श्वसन तंत्र को साफ करता है और बलगम को कम करने में मदद करता है।

दिलीप वैंडरला ने तथा बुमराह पर मिशाया।

PSPDFKit for Web Evaluation

'अगर फिट हो तो सभी मैच खेलो'

एजेंटी

नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच जारी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला



मुकाबला लीड्स में खेला गया था। भारत को इस मैच में पांच विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। इस मैच में बुमराह ने पांच विकेट झटके थे। दूसरे टेस्ट मैच में भारत ने वापसी की और 336 रनों से जीत दर्ज की। हालांकि, इस मुकाबले में बुमराह नहीं खेले थे। तीसरे टेस्ट में उनकी वापसी हुई, लेकिन भारत 22 रनों से हार गया। अब रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि बुमराह को चौथे टेस्ट में आराम मिल सकता है। भारतीय टीम के पूर्व कसान और चयन समिति के पूर्व अध्यक्ष दिलीप वेंगसरकर ने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा है कि अगर फिट हैं तो उन्हें सभी मुकाबले खेलने

चाहिए। दरअसल, भारत और इंग्लैंड के बीच जारी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के चौथा मुकाबला 23 जुलाई से खेला जाएगा। रिपोर्ट्स लेकिन एक बार जब आप दौरे पर होते हैं, तो आपको हर मैच खेलना होता है। व्यक्तिगत परांत के आधार पर मैच चुनने का कोई सवाल ही नहीं उठता। भारत और इंग्लैंड के बीच जारी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला लीड्स में खेला गया था। भारत को इस मैच में पांच विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। इस मैच में बुमराह ने पांच विकेट झटके थे। दूसरे टेस्ट मैच में भारत ने वापसी की और 336 रनों से जीत दर्ज की। हालांकि, इस मुकाबले में बुमराह नहीं खेले थे। तीसरे टेस्ट में उनकी वापसी हुई, लेकिन भारत 22 रनों से हार गया। अब रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि बुमराह को चौथे टेस्ट में आराम मिल सकता है। भारतीय टीम के पूर्व कसान और चयन समिति के पूर्व अध्यक्ष दिलीप वेंगसरकर ने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा है कि अगर फिट हैं तो उन्हें सभी मुकाबले खेलने

पांच राज्यों में खेले जाएंगे मैच और

24 टीमें लेंगी हिस्सा, उद्घाटन 23 को

एजेंटी

नई दिल्ली। इस वर्ष प्रतियोगिता का कुल इनामी राशि 3 करोड़ तक बढ़ा दिया गया है, जो अब तक की सबसे बड़ी राशि है। उद्घाटन मैच 23 जुलाई को ईस्ट बंगाल और साउथ यूनाइटेड के बीच युवभारती क्रीड़ागंगन, कोलकाता में खेला जाएगा। फाइनल 23 अगस्त को खेला जाएगा। एशिया की सबसे पुरानी फुटबॉल प्रतियोगिता डूरंड कप इस वर्ष नए रिकॉर्ड और भव्य आयोजनों के साथ होने जा रही है। गुरुवार को कोलकाता के एओआई विजय दुर्ग में आयोजित ट्रॉफी अनावरण समारोह के दौरान 134वें इंडियन ऑयल डूरंड कप के आयोजन समिति ने इसकी घोषणा की। इस वर्ष प्रतियोगिता का कुल इनामी राशि 3 करोड़ तक बढ़ा दिया गया है, जो अब तक की सबसे बड़ी राशि है। उद्घाटन मैच 23 जुलाई को ईस्ट बंगाल और साउथ यूनाइटेड के बीच युवभारती क्रीड़ागंगन, कोलकाता में खेला जाएगा। फाइनल 23 अगस्त को खेला जाएगा। इस अवसर पर प्रतियोगिता की तीन प्रतिष्ठित ट्रॉफियों डूरंड कप, शिमला ट्रॉफी (1904 से) और प्रेसिडेंट्स कप (स्थायी रूप से विजेता के पास रहता है) का अनावरण किया गया। कार्यक्रम में पश्चिम बंगाल सरकार के मंत्री अरूप विश्वास मुख्य अतिथि के रूप में

मौजूद थे। उनके साथ थे आईएस राजेश कुमार सिन्हा, आयोजन समिति के चेयरमैन लेपिटनेट जनरल मोहित मल्होत्रा और उपाध्यक्ष, डूरंड आयोजन समिति में जर जनरल राजेश अरुण मोगे उपस्थित थे। इस मौके पर पश्चिम बंगाल सरकार के मंत्री अरूप विश्वास अरूप विश्वास ने कहा, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी उद्घाटन और 23 अगस्त को फाइनल मुकाबले में मौजूद रहेंगी। चार बड़े क्लब मोहन बागान, ईस्ट बंगाल, मोहम्मद एससी और डायमंड हार्बर एफसी के लिए 5000-5000 टिकट आरक्षित किए गए हैं, ताकि प्रशंसकों की भागीदारी अधिकतम हो सके। इस मौके पर आईएस राजेश कुमार सिन्हा ने कहा, डूरंड कप ने पिछले छह वर्षों में कोलकाता में फिर से अपनी गरिमा प्राप्त की है। राज्य सरकार ने आयोजन के लिए 15 करोड़ रुपये किए हैं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व में सभी विभागों का सहयोग सराहनीय है। डैफिनेंट जनरल मोहित मल्होत्रा ने घोषणा की कि इस बार 3 करोड़ से अधिक इनामी राशि रखी गई है, जो पहले के 1.2 करोड़ से कहीं अधिक है। तीन व्यक्तिगत पुरस्कार विजेताओं को एसयूवी गाड़ियां दी जाएंगी। यह भारतीय फुटबॉल प्रतिभाओं को सम्मान और प्रोत्साहन देने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

लेकिन एक बार जब आप दौरे पर होते हैं, तो आपको हर मैच खेलना होता है। व्यक्तिगत परांत के आधार पर मैच चुनने का कोई सवाल ही नहीं उठता। भारत और इंग्लैंड के बीच जारी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला लीड्स में खेला गया था। भारत को इस मैच में पांच विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। इस मैच में बुमराह ने पांच विकेट झटके थे। दूसरे टेस्ट मैच में भारत ने वापसी की और 336 रनों से जीत दर्ज की। हालांकि, इस मुकाबले में बुमराह नहीं खेले थे। तीसरे टेस्ट में उनकी वापसी हुई, लेकिन भारत 22 रनों से हार गया। अब रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि बुमराह को चौथे टेस्ट में आराम मिल सकता है। भारतीय टीम के पूर्व कसान और चयन समिति के पूर्व अध्यक्ष दिलीप वेंगसरकर ने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा है कि अगर फिट हैं तो उन्हें सभी मुकाबले खेलने

अंग्रेजी की बड़ी वार्ताएँ तालिका ताल और इंग्लैंड महिला टीम पर लगाया जुर्माना

एजेंटी

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट

रावल की इंग्लैंड की गेंदबाज लॉरेन फिलर से टक्कर हो गई थी। इसके अलावा वह

आउट होने के बाद सोफी एकलेस्टोन से उलझ गई थीं। आईसीसी ने दोनों घटनाओं को खेल भावना का उल्लंघन माना। प्रतिका ने आरोप स्वीकार कर

लिए जिसकी वजह से किसी आधिकारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी। इसके अलावा इंग्लैंड की महिला टीम पर भी आईसीसी ने जुर्माना ठोका है।

क्रिकेट की वैश्विक संस्था ने इस टीम पर पहले मैच के दौरान धीमी ओवर गति के कारण जुर्माना लगाया। आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के अनुसार, किसी भी टीम पर निर्धारित समय में प्रत्येक ओवर पूरा न कर पाने पर मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है। इंग्लैंड के खिलाड़ियों पर सामूहिक रूप से पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। इसके अलावा उनके खाते में एक डीमेरिट अंक भी जोड़ा गया है। आईसीसी ने यह कार्रवाई लेवल एक के उल्लंघन के लिए की है। दरअसल, 18वें ओवर में हरा दिया।

'सर जडेजा' के मुरीद हुए गंभीर-डेशकाटे और कोटक, 'मोस्ट वैल्यूड प्लेयर' का तमगा थमाया

एजेंटी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल



बोर्ड (बीसीसीआई) ने शुक्रवार को भारतीय ड्रेसिंग रूम का एक खास वीडियो साझा किया, जिसमें भारतीय दिग्गजों को जडेजा की प्रशंसा करते देखा जा सकता है।

भारत और इंग्लैंड के बीच जारी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के तीसरे मुकाबले में स्टार ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने लगभग छह घंटे बल्लेबाजी की, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। इंग्लैंड ने लॉइंग्स टेस्ट में भारत को 22 रनों से हाराया और सीरीज में 1-2 से बढ़त हासिल कर ली। जडेजा के दमदार

कोच सितांशु कोटक ने तारीफ की है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने शुक्रवार को भारतीय ड्रेसिंग रूम का एक खास वीडियो साझा किया, जिसमें भारतीय दिग्गजों को जडेजा की प्रशंसा करते देखा जा सकता है। इसी के साथ जडेजा को मोस्ट वैल्यूड प्लेयर (एमवीपी) का तमगा भी मिला। गंभीर ने कहा, 'यह एक अविश्वसनीय मुकाबला था। जडू का प्रदर्शन शानदार था।' 193 रनों के लक्ष्य को पीछा करते हुए 36 वर्षीय ऑलराउंडर जडेजा ने भारत की दूसरी पारी में 181 गेंदों का सामना किया और 61 रन बनाकर नाबाद

रहे। नंबर सात पर बल्लेबाजी करने उतरे जडेजा को बुमराह और सिराज का साथ मिला, लेकिन वह भारत को जीत नहीं दिला सके। तीनों ने 34 से ज्यादा ओवर तक संघर्ष किया और इंग्लैंड के गेंदबाजों को निराश किया। डेशकाटे ने कहा, 'उनकी बल्लेबाजी एक अलग ही स्तर पर पहुंच गई है। पिछले दो टेस्ट मैचों में, उन्होंने ड्रेसिंग रूम में जो निरंतरता और शांति दिखाई है... मैं उन्हें इतने बड़े से देख रहा हूं और जिस तरह पर उन्होंने अपने खेल को निखारा है। उनका डिफेंस बहुत मजबूत है, वे एक बेहतरीन बल्लेबाज लगते हैं।' जडेजा लॉइंग्स में चौथी पारी में सबसे गेंद खेलने वाले दूसरे भारतीय बन गए। इस मामले में उन्होंने पूर्व भारतीय कसान महेंद्र सिंह धोनी को पीछे छोड़ दिया।

धोनी ने साल 2007 में इंग्लैंड के खिलाफ इस मैदान पर चौथी पारी में 159 गें

PSPDFKit for Web Evaluation

साहब स्कूल दो किलो मीटर दूर है, कैसे जाएंगे छोटे छोटे बच्चे

विकलांग बच्चों ने भी सुनाई पीड़ा बोले हमारा भविष्य छीना जा रहा है परतावल/महराजगंज। महराजगंज जनपद के विकास खण्ड परतावल क्षेत्र में प्राथमिक विद्यालयों के मर्जर के खिलाफ ग्रामीणों का जन सैलाब सोमवार को



जिला मुख्यालय पर उमड़ पड़ा। अभिभावकों, ग्राम प्रधानों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और स्कूली बच्चों ने डीएम कार्यालय पर जोरदार प्रदर्शन कर शासन की इस नीति को वापस लेने का मांग कीया।

छोटे-छोटे बच्चों को दो से तीन किलोमीटर दूर भेजना अमानवीय है। बिना किसी समुचित परिवहन और सुरक्षा व्यवस्था के इतने छोटे बच्चों को दूरस्थ स्कूलों तक भेजना न तो सुरक्षित है और न ही व्यवहारिक। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि एक ओर सरकार हर गांव में निजी विद्यालयों को बढ़ावा दे रही है वहीं दूसरी ओर सरकारी विद्यालयों को मर्ज कर बंद किया जा रहा है। इससे गरीब, वंचित और विकलांग वर्ग के बच्चों की शिक्षा पर सबसे ज्यादा असर पड़ा है। विकलांग बच्चों के लिए नजदीकी स्कूल ही एकमात्र सहारा था एक दिव्यांग छात्र ने रोते हुए कहा सरकार ने वह भी छीन लिया। अब हम कैसे पढ़ाई करें? गांव के कई मासूम बच्चे अपने बंद पड़े स्कूलों के गेट पर पहुंच कर फूट-फूट कर रोते देखे गए। यह दृश्य हर संवेदनशील नागरिक के हृदय को झकझोर देने वाला है। ग्राम प्रधानों ने स्पष्ट कहा कि यदि मर्ज किया जाना अनिवार्य है तो सरकार पहले परिवहन, सुरक्षा और सहायक शिक्षकों की समुचित व्यवस्था करे। वरना मूल विद्यालय को पुनः संचालित किया जाए। अभिभावकों ने चेतावनी दी कि यदि शासन ने शीघ्र इस मामले में कोई समाधान नहीं निकाला तो यह आंदोलन जिला स्तर से प्रदेश स्तर तक उग्र रूप धारण कर लेगा।

विशाल श्रीवास्तव द्वारा अंग्रेजी विषय में अतिरिक्त गतिविधियों का सफल आयोजन

छात्रों में भाषा कौशल विकास हेतु रचनात्मक पहल, सरस्वती शिशु मंदिर में संपन्न हुआ कार्यक्रम

गोरखपुर। सरस्वती शिशु मंदिर (10+2), पक्की बाग, गोरखपुर में अंग्रेजी विषय को रोचक एवं व्यवहारिक बनाने के उद्देश्य से श्री विशाल श्रीवास्तव द्वारा



आयोजित अतिरिक्त शैक्षिक गतिविधियों का सफलतापूर्वक समापन हुआ। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों के अंग्रेजी भाषा कौशल में सुधार लाना और उन्हें रचनात्मक मंच प्रदान करना था। इस आयोजन के अंतर्गत वाद-विवाद प्रतियोगिता, कहानी लेखन, नाटक मंचन, तथा अंग्रेजी व्याकरण पर आधारित शैक्षिक खेल आयोजित किए गए। इन गतिविधियों ने विद्यार्थियों को रचनात्मकता, आत्म-विश्वास और आलोचनात्मक सोच के विकास में मदद की।

कार्यक्रम के समापन पर श्री विशाल श्रीवास्तव ने कहा...

"शिक्षा के बल किताबों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। ऐसी इंटरैक्टिव गतिविधियाँ विद्यार्थियों को भाषा का व्यावहारिक उपयोग सिखाती हैं और उन्हें सीखने के लिए प्रेरित करती हैं। छात्रों की सक्रिय भागीदारी देखकर खुशी हुई।" कार्यक्रम की सफलता को देखते हुए शिक्षकों एवं छात्रों ने श्री विशाल श्रीवास्तव के इस प्रयास की भूरी-भूरी प्रशंसा की। सभी ने भविष्य में भी इस तरह की गतिविधियों की निरंतरता की उम्मीद जताई। इस विशेष अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. राजेश सिंह एवं कोषाध्यक्ष श्री महेश गर्ग ने श्री विशाल श्रीवास्तव को सम्मानित करते हुए उनके प्रयासों की सराहना की।

ऋषि का सदसाहित्य नैतिक शिक्षा

प्रदान करता है: उमानन्द शर्मा

लखनऊ (संवाददाता)। गायत्री ज्ञान मंदिर इंदिरा नगर, लखनऊ के विचार क्रान्ति ज्ञान यज्ञ अभियान के अन्तर्गत कृष्णा पाल्बिक स्कूल, रॉयल सिटी, औरंगाबाद, बिजनौर रोड, लखनऊ के केन्द्रीय पुस्तकालय में गायत्री परिवार के संस्थापक युगन्तर्षि पं० श्रीराम शर्मा आचार्य द्वारा रचित सम्पूर्ण 79 खण्डों का 443वाँ ऋषि वाङ्मय की स्थापना का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। उपरोक्त साहित्य गायत्री परिवार की सक्रिय कार्यकर्त्ता श्रीमती सरोज श्रीवास्तव ने अपने दिवंगत पूज्य पिता स्व० कमला प्रसाद श्रीवास्तव एवं दिवंगत पूज्य ससुर स्व० परमात्मा सिंह श्रीवास्तव की स्मृति में भेट किया तथा सभी छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों को अखण्ड ज्योति (हिन्दी) पत्रिका भेट की। इस अवसर पर वाङ्मय स्थापना अभियान के मुख्य संयोजक उमानन्द शर्मा ने कहा कि ऋषि का सदसाहित्य नैतिक शिक्षा प्रदान करता है।

लखनऊ के गोमती नगर से चलेंगी 2 अमृत भारत ट्रेन, मोदी ने दिखाई हरी झंडी

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार अनधिकृत निर्माण रोकने में सफल होने के



जिम्मेदारियों को दरकिनार कर कथित तौर पर जे भेजे भरने में व्यस्त हैं। यह स्थिति लखनऊ के शहरी विकास और कानून-व्यवस्था के लिए एक गंभीर चुनौती बन गई है। चैकाने वाला मामला उन बिल्डिंगों का है, जिन्हें एलडीए ने अवैध गतिविधियों के चलते सील कर दिया था, लेकिन उन पर भी बेखौफ होकर निर्माण कार्य जारी है, जो एलडीए अधिकारियों की दुरभिसंधि के बिना संभव नहीं हो सकता। मिडियांव क्षेत्र के छठ मिल तिरहे से लगभग 200 मीटर दूर रेखा मार्ग पर सील निर्माण पूर्ण होकर अध्यासित होने की तैयारी में है। एलडीए को प्रभारी ने बताया कि यह कार्य एलडीए का है, पुलिस प्रत्येक अनधिकृत निर्माण पर नहीं बैठ सकती है यदि अनधिकृत निर्माण होने पर एलडीए अधिकारी पुलिस को सूचना दें पुलिस द्वारा कार्यवाही की जाएगी, बहुद विडंबना इस बात की है कि लखनऊ विकास प्राधिकरण के प्रवर्तन अधिकारी के द्वारा विहित प्राधिकारी के पास अनधिकृत निर्माण की सूचना देने के बाद भी पूर्ण हो गया जो प्रवर्तन जॉन-4 का जीता-जागता उदाहरण है। यहां एलडीए द्वारा सील की गई बिल्डिंगों में बिल्डरों ने सीलिंग तोड़कर फिर से निर्माण कार्य शुरू कर दिया है, यह सारा खेल अधिकारियों की नाक के नीचे चल रहा है, लेकिन वे अपनी आंखें मूंदे बैठे हैं, जिससे इस अपाध को पनपने का मौका मिल रहा है। यदि कोई नागरिक जनहित में भारतीय अनुच्छेद 51 के अधिनियम 19 के तहत अनाधिकृत निर्माण की लखनऊ विकास प्राधिकरण में

लखनऊ नगर निगम मुख्यालय में जश्न का

माहोल, मेयर बोली उपलब्धि के लिए शहर को बधाई

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ ने देश में 10 लाख से अधिक आबादी वाले



स्वच्छ शहरों में तीसरा स्थान हासिल किया है। इस उपलब्धि का नगर निगम मुख्यालय में शुक्रवार को जमकर जश्न मनाया गया। पूरे ऑफिस परिसर को फूलों से सजाया गया। रेड कारपेट दिखाई गई। गुब्बारे से दीवरों सजाई गई। रंगोली बनाई गई। मेयर सुषमा खर्कवाल और उनकी टीम का फूलों की बारिश कर स्वागत किया गया। ढोल-नगाड़ों पर कर्मचारी थिरकते नजर आए। शहर में जगह-जगह मेयर के साथ में अवॉर्ड लेने वाली टीम का पार्श्व और स्थानीय लोगों ने स्वागत किया। मेयर सुषमा खर्कवाल ने कहा पिछले दो साल से लगातार लखनऊ में स्वच्छता की मुहिम चलाई जा रही थी। इससे लखनऊ को यह उपलब्धि हासिल हुई है। इसका सबसे बड़ा श्रेष्ठ रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और

लखनऊ के गोमती नगर से चलेंगी 2 अमृत भारत ट्रेन, मोदी ने दिखाई हरी झंडी

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ के गोमती नगर रेलवे स्टेशन से 2 अमृत भारत एक्सप्रेस चलेंगी। पीएम मोदी ने बिहार से इन ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई। इनमें से एक ट्रेन बंगल के मालदा टाउन और दूसरी विहार के बापूधाम मोतीहारी से लखनऊ होते हुए दिल्ली आनंद विहार के लिए जाएगी। अभी ये तीनों ट्रेनों वीकली रहेंगी। बाद में इन्हें रेगुलर किया जाएगा। इनकी रफ्तार 130 किमी प्रतिघण्टा रहेगी। मॉडर्न कोच वाली ट्रेन में दिव्यांगों के लिए विशेष सुविधा होंगी। ट्रेन में सामान्य और स्लीपर क्लास की 22 बोगियां होंगी, ताकि आम यात्रियों को बेहतर सुविधा मिल सके। रेलवे बोर्ड ट्रेनों के संचालन के लिए जल्द ही नोटिफिकेशन जारी करेगा। मालदा टाउन से गोमतीनगर के लिए अमृत भारत एक्सप्रेस हर गुरुवार को शाम 7.25 बजे रवाना होगी। अगले दिन दोपहर 3.40 बजे गोमतीनगर पहुंचेगी। वापसी में यह ट्रेन हर शुक्रवार शाम 6.40 बजे गोमतीनगर से चलेंगी और शनिवार को शाम 4.40 बजे मालदा टाउन पहुंचेगी। ट्रेन में स्लीपर और जनरल ब्रेणी की कुल 22 बोगियां होंगी। यह ट्रेन न्यू फरक्का, बरहरवा, साहिबगंज, भागलपुर, गया, वाराणसी, अयोध्या के जैसे प्रमुख स्टेशनों पर रुकेगी।

PSPDFKit for Web Evaluation

Gift – Inauguration of Hind Multi Speciality Hospital



Siddharthnagar | "In a significant step towards strengthening healthcare services in the region, Domariyaganj MP Jagdambika Pal inaugurated the Hind Multi Speciality Hospital, located at Sanei Chauraha in Siddharthnagar, run by Hind Seva Trust.

Speaking on the occasion, he said, "Establishing a modern hospital in an urban

area is a major achievement. This hospital will serve as a milestone in meeting the medical needs of the district.

State-of-the-Art Medical Facility

According to the hospital management, specialist doctors from Lucknow and other major cities will provide services regularly. The hospital is equipped with modern facilities

including women and child care, general medicine, surgery, and other advanced medical services.

The idea for the hospital emerged during the COVID-19 pandemic. The hospital manager shared, "During the pandemic, people in the region faced immense difficulties. That's when we resolved to establish a modern

healthcare center that is affordable, accessible, and service-oriented.

Free Meal Service for Patients

When MP Jagdambika Pal learned that the hospital would offer free meals to all patients, he remarked: "This might be the first private hospital in the country that has pledged to serve free meals from day one. This is

truly commendable and a shining example of social service."

Team of Doctors Committed to Social Welfare

Hospital officials also stated that renowned doctors from across the country will voluntarily offer their services from time to time. This initiative aims to ensure that patients from rural and remote areas receive top-quality treatment close to home.

Presence of Eminent Personalities

The inauguration event witnessed the presence of prominent citizens, doctors, social workers, hospital staff, and other distinguished guests. Visitors appreciated the cleanliness, organization, and infrastructure of the hospital and extended their best wishes for its future.

14th Meeting of Municipal Corporation Concludes Successfully, 6 Members Elected Unopposed to Executive Committee

Gorakhpur | "The 14th

successfully conducted today

of relevant officials. Respected



session of the Municipal Corporation Council was

under the chairmanship of the Hon'ble Mayor and the presence

council members actively participated in the proceedings.

Confirmation of Previous Meeting Proceedings

As per the first agenda item, the proceedings of the 12th meeting (held on 14 & 15 May 2025) and the 13th meeting (held on 10 June 2025) were unanimously approved by the house.

Election of Executive Committee Members

Under the second agenda point, the election of six members of the Executive Committee was conducted peacefully. The following members were declared elected unopposed:

1. Mrs. Poonam Singh
2. Mrs. Meera Yadav

3. Mrs. Ranjula Rawat
4. Mr. Ramgati Nishad
5. Mr. Ashok Kumar Mishra

6. Mr. Ziaul Islam

Warm Congratulations Extended "The newly elected members were extended heartfelt congratulations and best wishes on behalf of the Municipal Corporation family and the citizens of Gorakhpur.

During the session, several important topics related to urban development were also discussed, with hopes expressed that the decisions would lead to improved governance and strengthened operations for the city in the coming future.

Dependency on CIBIL for Loans to End, Banks to Join ULI Platform

New Delhi | In a major step toward simplifying and digitizing the loan approval process, the Government of India is set to reduce the financial sector's dependence on credit scores provided by CIBIL. The Department of Financial Services (DFS) under the Ministry of Finance has directed all public and private sector banks, along with non-banking financial companies (NBFCs), to promptly integrate with the Unified Lending Interface (ULI) platform.

The DFS has instructed all financial institutions to

nominate a nodal officer responsible for implementing ULI and to ensure monthly reviews of its progress by their respective Managing Directors or CEOs.

A recent high-level meeting chaired by DFS Secretary M. Nagaraju and RBI Deputy Governor T. Rabi Shankar saw participation from 12 public sector banks, 18 private banks, 3 small finance banks, and 6 NBFCs.

What is ULI? "The Unified Lending Interface (ULI) is a

digital public infrastructure designed to cover the entire loan lifecycle, from application to repayment. It aims to enhance transparency, increase competition among lenders, and provide borrowers with better and faster loan services.

Impact on CIBIL "Established 25 years ago, CIBIL (Credit Information Bureau India Limited) has long been the primary source for credit scoring. However, with the

introduction of ULI, this monopoly is expected to be challenged, offering borrowers more inclusive and fair opportunities.

Government's Vision "This initiative supports the government's broader goal of financial inclusion, allowing easier access to credit for small entrepreneurs, first-time borrowers, and people in underserved regions.

The adoption of ULI is set to transform the lending landscape, making loan disbursal faster, more secure, and more accessible to all segments of society.



स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक,
शवित शंकर द्वारा फाइन
आफसेट प्रिंटर्स मदरसा
हुसैनिया बिल्डिंग बक्शीपुर,
जनपद-गोरखपुर से मुद्रित
कराकर, मुहल्ला-द्वितीय तल
पृष्ठांजलि काम्प्लेक्स शाही
मार्केट, गोलघर,
जनपद-गोरखपुर से
प्रकाशित।

प्रधान संपादक :
शवित शंकर

मो.नं.

7233999001

सभी विवादों का न्याय केत्र
गोरखपुर न्यायालय होगा।